This question paper contains **3** printed pages]

# YQ—59—2024

## FACULTY OF ARTS

## M.A. (Second Year) (Third Semester) EXAMINATION

## NOVEMBER/DECEMBER, 2024

## हिंदी

Paper X

(समीक्षा सिद्धांत भाग-1)

**(Wednesday, 11-12-2024)** **Time : 2.00 p.m. to 5.00 p.m.**

*Time—Three Hours* *Maximum Marks*—75

*N.B. :—* (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं ।

1. संस्कृत के काव्य सिद्धांतों की परंपरा का परिचय दीजिए । 20

**अथवा**

रस निष्पत्ति विषयक विभिन्न विद्वानों के मतों की चर्चा कीजिए ।

2. रीति की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए काव्यगुणों पर प्रकाश डालिए । 20

**अथवा**

वक्रोक्ति की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

3. टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) मनोवैज्ञानिक आलोचना । 10

**अथवा**

तुलनात्मक आलोचना का स्वरूप ।

(ब) आचार्य रामचंद्र शुक्ल । 10

**अथवा**

हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना की विशेषताएँ ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **पंद्रह-बीस** पंक्तियों में लिखिए : 5

(1) अलंकार और अलंकार्य के साम्य-वैषम्य की चर्चा कीजिए ।

(2) सहृदय की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

(3) वक्रोक्ति के भेद बताइए ।

(4) रामविलास शर्मा की समीक्षा पद्धति को स्पष्ट कीजिए ।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में लिखिए : 5

(1) 'विभावानुभाव व्यभिचारी संयोगाद्रस निष्पत्ति' यह रससूत्र किसका है ?

(2) आचार्य भामह के अनुसार अलंकारों की कितनी संख्या है ?

(3) रीति को किस आचार्य ने काव्य की आत्मा माना है ?

(4) सौष्ठववादी आलोचक के रूप में कौन प्रसिद्ध है ?

(5) 'वैदग्ध भंगी भणिति' किसका कथन है ?

X114YC60410X114YC60410X114YC60410X114YC60410

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5

(1) रस निष्पत्ति के प्रसंग में ..... ने साधारणीकरण की स्थापना की है।

(2) 'काव्य शोभाकरान् धर्मान्न्अलंकारान् प्रचक्षते' यह कथन ..... आचार्य का है ।

(3) रीति को काव्यगुणों से जोड़ने वाले ..... आचार्य हैं।

(4) 'वक्रोक्तिजीवितम् के रचनाकार ..... हैं ।

(5) 'नाट्यशास्त्र' ..... की रचना है ।



X114YC60410X114YC60410X114YC60410X114YC60410